ई-न्यूज

24 न्यूज अपडेट

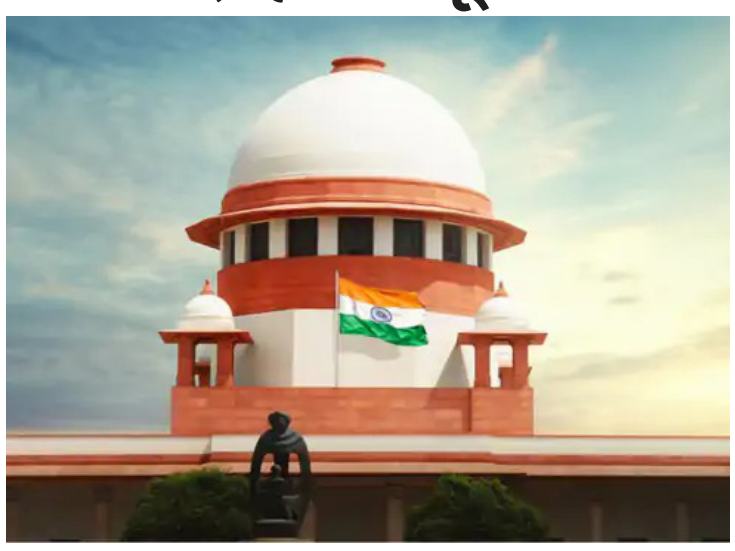
WebSite.: https://24newsupdate.in

उदयपुर, मंगलवार 24 सितम्बर 2024

Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com

वर्ष 1 अंक 202

सुप्रीम कोर्ट बोला- सेक्स एजुकेशन वेस्टर्न कॉन्सेप्ट नहीं:भारत में इसकी शिक्षा बेहद जरूरी, इससे यूथ में अनैतिकता नहीं बढ़ती



24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट ने एक फैसले में कहा कि सेक्स एजुकेशन को वेस्टर्न कॉन्सेप्ट मानना गलत है। इससे यूथ में अनैतिकता नहीं बढ़ती। इसलिए भारत में इसकी शिक्षा बेहद जरूरी है।

कोर्ट ने कहा कि लोगों का मानना है कि सेक्स एजुकेशन भारतीय मूल्यों के खिलाफ है। इसी वजह से कई राज्यों में यौन शिक्षा को बैन कर दिया गया है। इसी विरोध की वजह से युवाओं को सटीक जानकारी नहीं मिलती। फिर वे इंटरनेट का सहारा लेते हैं, जहां अक्सर भ्रामक जानकारी मिलती है।

CJI डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच ने मद्रास हाईकोर्ट के एक फैसले को खारिज करते हुए यह टिप्पणी की। कोर्ट ने सोमवार को कहा कि चाइल्ड पोर्नोग्राफी डाउनलोड करना और देखना POCSO और IT एक्ट के तहत अपराध है। दरअसल, मद्रास हाईकोर्ट ने कहा था कि अगर कोई ऐसा कंटेंट डाउनलोड करता और देखता है, तो यह अपराध नहीं, जब तक कि इसे प्रसारित करने की नीयत न हो।

जस्टिस जेबी पारदीवाला ने कहा- चाइल्ड पोर्नोग्राफी की जगह 'चाइल्ड सेक्शुअल एक्सप्लॉएटेटिव एंड एब्यूसिव मटेरियल' शब्द का इस्तेमाल किया जाए। केंद्र सरकार अध्यादेश लाकर बदलाव करे। अदालतें भी इस शब्द का इस्तेमाल न करें।

दिल्ली में किराएदार के बाथरूम-बेडरूम में लगाए कैमरे:वॉट्सऐप की गड़बड़ी से पकड़ा गया, आरोपी मकान मालिक का बेटा



24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली. दिल्ली के शकरपुर इलाके में 30 साल के युवक को महिला किराएदार की जासूसी करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। युवक ने युवती के बाथरूम और बेडरूम में स्पाई कैमरे लगाए थे। पुलिस के मुताबिक, युवती उत्तर प्रदेश की है और दिल्ली में अकेली रहकर सिविल सर्विस परीक्षा की तैयारी कर रही है। आरोपी करण मकान मालिक का लड़का है, जो उसी बिल्डिंग की दूसरे फ्लोर पर रहता है। पुलिस के मुताबिक, पिछले कुछ दिनों से पीड़ित को अपने वॉट्सऐप पर संदिग्ध गतिविधियां नजर आ रही थीं। उसने एक्सपर्ट से पता किया तो वॉट्सऐप अकाउंट किसी और के द्वारा लॉगिन करने का पता चला। पीड़ित ने अपना वॉट्सऐप लॉग आउट किया। शक होने पर अपने फ्लैट की तलाशी ली तो उसे अपने बाथरूम के बल्ब होल्डर में स्पाई कैमरा दिखा। पीड़िता ने फौरन PCR को फोन कर घटना की जानकारी दी।

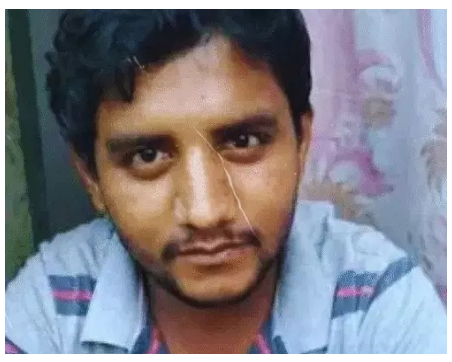
बल्ब के होल्डर में कैमरे मिले

पुलिस अधिकारी अपूर्व गुप्ता के मुताबिक, शिकायत मिलने के बाद युवती के कमरे पर एक पुलिस अधिकारी को भेजा गया। बाथरूम के अलावा बेडरूम की तलाशी ली गई तो बल्ब होल्डर के अंदर स्पाई कैमरा मिला। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि जब भी वह अपने घर जाया करती थी तो मकान मालिक के बेटे करण को अपने फ्लोर की चाबी दे दिया करती थी।

3 महीने पहले लगाए थे कैमरे

पुलिस के मुताबिक, आरोपी करण ने पूछताछ में बताया कि करीब 3 महीना पहले उसने बल्ब होल्डर में स्पाई कैमरा लगाया था। दोनों स्पाई कैमरे में एक मेमोरी कार्ड लगा हुआ था, जिससे निकाल कर ही डाटा ट्रांसफर किया जा सकता था। इसलिए करण पिछले कुछ समय से लगातार पीड़िता से घर के पंखे या दूसरा इलेक्ट्रॉनिक एप्लायंस को ठीक करवाने के बहाने घर की चाबी मांगा करता था। पूछताछ में करण ने बताया कि उसने बल्ब होल्डर में लगाने के लिए तीन कैमरे खरीदे थे जिनमें से उसने दो स्पाई कैमरे ही लगाए थे। पुलिस ने आरोपी के पास से एक स्पाई कैमरा और घर में लगे दोनों स्पाई कैमरे बरामद कर लिए हैं। आरोपी का लैपटॉप सीज किया है, जिसमें स्पाई कैमरे में रिकॉर्ड वीडियो को ट्रांसफर करता था।

बदलापुर रेप केस- आरोपी के एनकाउंटर की जांच करेगी CID:परिवार का आरोप- कस्टडी में पीटा गया; विपक्ष का सवाल- हथकड़ी में फायरिंग कैसे की



24 न्यूज अपडेट

मुंबई. बदलापुर दुष्कर्म केस में आरोपी के एनकाउंटर की जांच CID करेगी। महाराष्ट्र सरकार ने मंगलवार को यह आदेश जारी किया। ठाणे क्राइम ब्रांच ने आरोपी अक्षय शिंदे का 23 सितंबर को शाम करीब 6:15 बजे एनकाउंटर किया था, जिसमें उसकी मौत हो गई थी।

जानकारी के मुताबिक ठाणे क्राइम ब्रांच अक्षय को तलोजा जेल से बदलापुर लेकर गई थी। सरकार ने कहा था कि अक्षय ने पुलिस की रिवॉल्वर छीनकर फायर किए थे, सेल्फ डिफेंस में पुलिस ने गोली चलाई और अक्षय मारा गया।

इस घटना के बाद अक्षय के परिवार ने आरोप लगाया कि उसे कस्टडी में जमकर पीटा गया था। मामले को दबाने के लिए एनकाउंटर कर दिया गया। उसका शव भी नहीं देखने दिया। इधर विपक्ष ने सवाल किया- अक्षय हथकड़ी में था, वो फायरिंग कैसे कर सकता है।

एनकाउंटर में मारे गए आरोपी की मां बोलीं- शव नहीं लेंगे

आरोपी शिंदे की मां ने कहा है कि हम अस्पताल में घंटों इंतजार करते रहे। लेकिन पुलिसवालों ने हमें अक्षय का शव भी देखने नहीं दिया। अक्षय के खिलाफ यौन शोषण के आरोप साबित नहीं हुए थे। वह पटाखे फोड़ने तक से डरता था। पुलिस पर गोली कैसे चला सकता है। एनकाउंटर एक साजिश है। अब हम उसका शव नहीं लेंगे। अक्षय ने बताया था कि पुलिस वाले उसे पीटते थे। दबाव डालकर बयान भी लिखवाते थे।

आरोपी पर गोली चलाने वाले इंस्पेक्टर ने दाउद के भाई को पकड़ा था

बदलापुर के स्कूल में बच्चियों से दुष्कर्म के आरोपी अक्षय पर गोली चलाने वाले इंस्पेक्टर संजय शिंदे ठाणे क्राइम ब्रांच के एंटी-एक्सटॉर्शन सेल के हेड रह चुके हैं। वे एनकाउंटर स्पेशलिस्ट प्रदीप शर्मा की टीम में भी थे। इसी टीम ने 2017 में अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद के भाई इकबाल कासकर को गिरफ्तार किया था।

बॉम्बे हाईकोर्ट ने 19 मार्च को एनकाउंटर स्पेशलिस्ट प्रदीप शर्मा को आजीवन जेल की सजा सुनाई थी। उन्हें 2006 में गैंगस्टर छोटा राजन के करीबी के फर्जी एनकाउंटर मामले में दोषी माना गया था। प्रदीप शर्मा की टीम के एनकाउंटर की कहानी पर डॉक्युमेंट्री सीरीज भी बन चुकी है।

संजय शिंदे के खिलाफ 2012 में इन्क्वायरी भी हुई थी। 2012 में दो हत्या मामलों का आरोपी विजय पलांडे पुलिस हिरासत से भाग निकला था। वह जिस SUV से भागा था, उसमें संजय की वर्दी मिली थी। वे साल 2000 में भी किडनैपिंग केस में विवादों में आए थे।

यूपी में ढाबा-रेस्टोरेंट पर मालिक की नेम प्लेट जरूरी:CCTV, कर्मचारियों का पुलिस वेरिफिकेशन होगा, शेफ-वेटर को मास्क-ग्लव्स पहनना होगा



24 न्यूज अपडेट

लखनऊ. यूपी सरकार ने खाने-पीने की दुकानों पर नेमप्लेट यानी दुकानदार का नाम लिखना अनिवार्य कर दिया है। सीएम योगी ने मंगलवार को यह आदेश दिए। CM योगी आदित्यनाथ ने खाद्य विभाग के साथ बैठक की। उन्होंने कहा- प्रदेश के सभी होटलों, ढाबों, रेस्टोरेंट की गहन जांच और हर कर्मचारी का पुलिस वेरिफिकेशन किया जाए। खाने की चीजों की शुद्धता के लिए खाद्य सुरक्षा अधिनियम में आवश्यक संशोधन किए जाएं।

नए आदेश के मुताबिक, खान-पान केंद्रों पर संचालक, प्रोपराइटर, मैनेजर का नाम और पता डिस्प्ले करना अनिवार्य होगा। पूरे रेस्टोरेंट में CCTV लगाने होंगे। कर्मचारियों को मास्क-ग्लव्ज पहनना जरूरी होगा।

इससे पहले यूपी सरकार ने कांवड़ रूट की दुकानों पर नेमप्लेट अनिवार्य की थी। मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया था। कोर्ट ने योगी सरकार के इस फैसले पर रोक लगा दी थी। मामला अभी कोर्ट में विचाराधीन है।

मालूम हो कि हाल ही में आंध्रप्रदेश के तिरुपति मंदिर में मिलावट वाले घी से प्रसाद बनाने का मामला सामने आया है।

तिरुपति के लड्डू में तंबाकू मिलने का दावा:महिला श्रद्धालु बोली- लड्डू तोड़ा तो कागज के टुकड़े मिले, उसमें तंबाकू लिपटा था



24 न्यूज अपडेट

तिरुपति. आंध्र प्रदेश के श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर (तिरुपति मंदिर) के लड्डू में जानवरों की चर्बी मिलाए जाने के आरोपों के बीच अब तंबाकू मिलने का दावा किया गया है। तेलंगाना की एक महिला ने प्रसादम को लेकर आरोप लगाया है कि उसे लड्डू के अंदर कागज में लिपटे तंबाकू के टुकड़े मिले हैं। उसने इसका वीडियो जारी किया है। आरोप लगाने वाली डोंथु पद्मावती खम्मम जिले के गोल्लागुडेम की रहने वाली हैं। 19 सितंबर को वे तिरुमाला मंदिर गई थीं। वे वहां से लड्डू लाई थीं। लड्डू में कागज मिलने का वीडियो इंडिया टुडे, ABP नाडु समेत कुछ सोशल मीडिया अकाउंट्स पर शेयर किया गया है। हालांकि, दैनिक भास्कर इस वीडियो की पुष्टि नहीं करता।

इससे पहले 18 सितंबर को आंध्र प्रदेश के CM चंद्रबाबू नायडू ने आरोप लगाया था कि राज्य में YSR कांग्रेस सरकार में तिरुपति मंदिर के लड्डू (प्रसादम्) में जानवरों की चर्बी वाला वनस्पति तेल और फिश ऑयल मिलाया गया था। इसके अगले दिन TDP ने एक लैब रिपोर्ट दिखाकर अपने आरोपों की पुष्टि का दावा किया था।

तिरुपति मंदिर की शुद्धि के लिए महाशांति यज्ञ

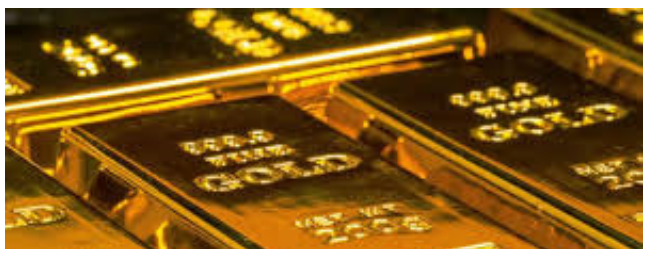
तिरुपति मंदिर की शुद्धि के लिए महाशांति यज्ञ किया गया। 23 सितंबर को सुबह 6 से 10 बजे तक चले पंचगव्य प्रोक्षण (शुद्धिकरण) में तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (TTD) बोर्ड के अधिकारी समेत 20 पुजारी शामिल हुए। अनुष्ठान में लड्डू और अन्नप्रसादम रसोई की शुद्धि की गई।

मंदिर के मुख्य पुजारियों में से एक कृष्ण शेषाचल दीक्षितुलु ने कहा, 'सरकार एक प्रस्ताव लेकर आई कि मंदिर को शुद्ध करने के लिए क्या किया जाए। इसलिए हम शांति होम करने के प्रस्ताव के साथ प्रबंधन के पास गए। सुबह 6 बजे हम सभी भगवान वेंकटेश्वर का आशीर्वाद और अनुमति लेने के लिए गर्भगृह में गए। अब सब कुछ शुद्ध हो गया है, मैं सभी भक्तों से अनुरोध करता हूं कि उन्हें अब चिंता करने की जरूरत नहीं है। भगवान बालाजी के दर्शन करें और प्रसाद घर ले जाएं।"

यह विवाद कैसे सामने आया

कर्नाटक कोऑपरेटिव मिल्क फेडरेशन (KMF) पिछले 50 साल से रियायती दरों पर ट्रस्ट को घी दे रहा था। तिरुपति मंदिर में हर छह महीने में 1400 टन घी लगता है। जुलाई 2023 में कंपनी ने कम रेट में सप्लाई देने से मना कर दिया, जिसके बाद जगन सरकार (YSRCP) ने 5 फर्म को सप्लाई का काम दिया था। इनमें से एक तमिलनाडु के डिंडीगुल स्थित एआर डेयरी फूड्स भी है। इसके प्रोडक्ट में इसी साल जुलाई में गड़बड़ी मिली थी।

ऑल टाइम हाई पर सोना: 204 बढ़कर 74,671 प्रति 10 ग्राम पर पहुंचा, चांदी की कीमत में भी आज 312 की बढ़त



24 न्यूज अपडेट

सोने की कीमत आज (24 सितंबर) अपने ऑल टाइम हाई पर पहुंच गई है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार, मंगलवार को 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का भाव 204 रुपए बढ़कर 74,671 रुपए पर पहुंच गया। इससे पहले सोमवार को इसके दाम 74,467 रुपए प्रति दस ग्राम थे।

चांदी की कीमत में भी आज बढ़त देखने को मिली है। ये 312 रुपए महंगी होकर 88,068 रुपए प्रति किलो पर पहुंच गई। इससे पहले चांदी 87,756 रुपए पर थी। इस साल चांदी 29 मई को अपने ऑल टाइम हाई 94,280 रुपए प्रति किलो पर पहुंच चुकी है।

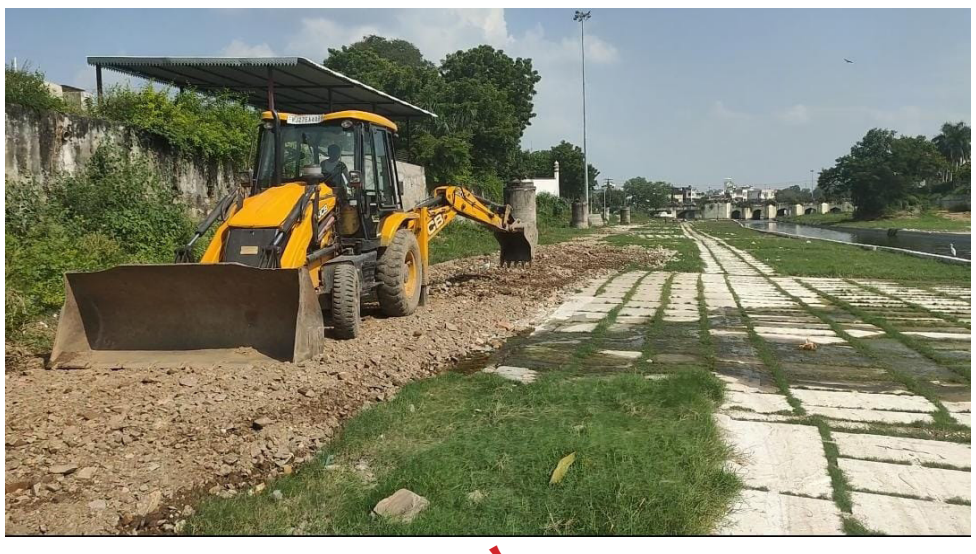
संपादकीय : क्वाड का हासिल

भारत, अमेरिका, जापान और आस्ट्रेलिया के संगठन क्वाड का यह छठवां शिखर सम्मेलन था, जिसमें चारों देशों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया। अभी चार वर्ष हुए हैं इस संगठन को बने हुए। इस बीच दो आभासी माध्यम से बैठकें भी हो चुकी हैं। इस सम्मेलन में क्वाड देशों के बीच हिंद प्रशांत क्षेत्र में स्वास्थ्य और सुरक्षा संबंधी ऐतिहासिक फैसले हुए हैं। इसमें 'कैंसर मूनशाट इनिशिएटिव' के जरिए हिंद प्रशांत क्षेत्र में गर्भाशय ग्रीवा कैंसर से जीवन बचाने के लिए साझेदारी और समुद्री सुरक्षा को आगे बढ़ाने के लिए 2025 में 'क्वाड ऐट सी शिप आब्जर्वर मिशन' शुरू करना शामिल है। इसके जरिए हिंद-प्रशांत क्षेत्र में बंदरगाहों के बुनियादी ढांचे के समावेशी विकास को आगे बढ़ाया जाएगा। संभावित बीमारियों और महामारियों से पार पाने के लिए पहले से रणनीति बनाने पर भी जोर दिया गया है। निस्संदेह वे महत्त्वपूर्ण समझौते हैं। गर्भाशय ग्रीवा कैंसर से पार पाना इस समय की बड़ी चुनौती है। क्वाड समझौते से निश्चय ही इस पर काबू पाने में काफी मदद मिल सकेगी। इसके अलावा, इस सम्मेलन में क्वाड देशों के बीच सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखला को मजूबत बनाने के लिए किया गया समझता बेहद अहम है। हिंद प्रशांत क्षेत्र विश्व का सबसे अधिक आबादी वाला और आर्थिक रूप से सक्रिय क्षेत्र है, जिसमें चार महाद्वीप शामिल हैं- एशिया, अफ्रीका, आस्ट्रेलिया और अमेरिका । इस क्षेत्र में चीन के बढ़ते दखल से सारे देश सतर्क हैं। दरअसल, चीन से मिलने वाली चुनौतियों से पार पाने के मकसद से ही क्वाड का गठन किया गया था। इस क्षेत्र में भारत की भूमिका अहम है। अमेरिका, आस्ट्रेलिया और जापान चीन का मुकाबला करने के लिए दक्षिण चीन सागर तथा पूर्वी चीन सागर में भारत की उपस्थिति चाहते हैं। भारत भी अपनी सीमाओं और पड़ोसी देशों में चीन की पैठ से परेशान है। अमेरिका से उसकी तनातनी पुरानी है। ऐसे में, इन देशों के एक मंच पर उपस्थित होने से चीन को चुनौती देने में आसानी होगी। समुद्री सीमा के विस्तार और उसमें इन देशों के साझा सैन्य अभ्यास से चीन को रोकना आसान होगा। इस अर्थ में क्वाड का ताजा शिखर सम्मेलन कई अर्थों में ऐतिहासिक कहा जा सकता है। फिलहाल देशों की ताकत उनकी तकनीकी संपन्नता से आंकी जाने लगी है। इस मामले में चीन अनेक मामलों में अमेरिका, जापान और आस्ट्रेलिया से बहुत आगे है। खासकर सेमीकंडक्टर निर्माण के क्षेत्र में फिलहाल पूरी दुनिया में उसका दवदवा है। अमेरिका ने पिछले कुछ वर्षों में इस क्षेत्र में काफी तरक्की की है, पर अब भी वह चीन से काफी पीछे है। भारत ने सेमीकंडक्टर निर्माण की दिशा में बहुत तेजी से कदम आगे बढ़ाव है, मगर उसके सामने कई अड़चनें बनी हुई हैं। दो कंपनियों ने इसमें निवेश का उत्साह दिखाया था, मगर उन्होंने अपने कदम वापस खींच लिए । तीसरी कंपनी को विदेशी विशेषज्ञों की जरूरत है, जो फिलहाल उपलब्ध नहीं हो पा रहे। ऐसे में क्वाड सम्मेलन में इस क्षेत्र में शोध और शिक्षा को प्रोत्साहन देने के लिए आर्थिक मदद की घोषणा से निश्चय ही उल्लेखनीय नतीजे आने की उम्मीद की जा सकती है। हालांकि सम्मेलन के बाद हमारे प्रधानमंत्री ने चीन का नाम लिए बगैर कहा कि क्वाड किसी के खिलाफ नहीं है। हम क्षेत्रीय अखंडता और सभी मुद्दों पर शांतिपूर्ण तरीके से समाधान करने के समर्थन में हैं। पर इस वास्तविकता से इनकार नहीं किया जा सकता कि क्वाड की सक्रियता से चीन की चिंता तो बड़ी है।

नई बयार

करीब दो वर्ष पहले श्रीलंका में उपजे आर्थिक संकट के बीच जो हालात पैदा हुए थे, उसके मद्देनजर यह आशंका स्वाभाविक थी कि इस स्थिति से निकलने में देश को शायद काफी वक्त लग जाए। मगर चुनावों के बाद अब वहां एक तरह से नई सत्ता की स्पष्ट तस्वीर उभर कर सामने आई है। श्रीलंका में हुए चुनाव के बाद आखिरकार वामपंथी नेता अनुरा कुमारा दिसानायके को 42.31 फीसद मत मिले और उनके प्रतिद्वंद्वी रहे सजीथ प्रेमदासा को 32.76 फीसद वोट मिले। मगर दूसरे दौर की गिनती के बाद दिसानायके को वहां के नौवें राष्ट्रपति के रूप में चुन लिया गया। दिलचस्प यह है कि सन 2019 में हुए राष्ट्रपति चुनाव में दिसानायके को सिर्फ तीन फीसद वोट मिले थे। यानी कहा जा सकता है कि इस बीच श्रीलंका में आर्थिक संकट और बिगड़ती स्थिति के बीच मुख्यधारा के बाकी राजनीतिक पक्षों में से किसी की भी आम लोगों की अपेक्षाओं या उम्मीदों के बीच जगह नहीं बची थी। इस बीच देश से भ्रष्टाचार खत्म करने, मजदूरों की आवाज उठाने और अच्छा प्रशासन देने के दिसानायके के वादे ने एक तरह से अंधेरे में घिरी आम जनता को उम्मीद की रोशनी दी। निश्चित रूप से श्रीलंका के लिए यह एक नई बयार है और उम्मीद की जानी चाहिए कि यह कुछ वर्ष पहले भिन्न धार्मिक पहचान पर आधारित हिंसा से लेकर व्यापक आर्थिक संकट की वजह से पैदा हुए व्यापक अराजक विद्रोह के हालात से आगे की राह पर कदम बढ़ाएगा। दिसानायके की जीत को श्रीलंका में नस्लीय या धार्मिक कट्टरता के खिलाफ जनादेश भी कहा जा सकता है। मगर भारत और उसके पड़ोसी देशों की इस बात पर नजर रहेगी कि नई भू-राजनीतिक परिस्थितियों के बीच अंतरराष्ट्रीय संबंधों के समीकरण में श्रीलंका क्या रुख अख्तियार करेगा पहले ही इस बात की आशंका जताई जाती रही है कि चीन के कर्ज के जाल में उलझने का असर श्रीलंका के अपने पड़ोसी देशों के साथ संबंधों और नीतियों पर पड़ता रहा है। अब वहां वामपंथी विचारधारा के एक नेता के राष्ट्रपति बनने के बाद यह देखने की बात होगी कि श्रीलंका चीन के प्रभाव से किस हद तक मुक्त रह पाता है।

आयड़ के बर्बादे ए गुलिस्तां के मंजर छिपाने लगा दी जेसीबी, 75 करोड़ पानी में बहे, नया खर्चा कौन कर रहा है, कोई बड़ा घोटाला या काला धन तो नहीं???



24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट. उदयपुर। क्या यह बर्बादे गुलिस्ता का मंजर है जिसमें हर शाख पर बैठा स्मार्ट पंछी अपनी करतूत पर बार-बार इतरा रहा है? क्या यह गुरूर और अट्टहास की मदमस्त नदी में डूबते हुए हमारे समय का ऐसा कड़वा सच है जिसकी गवाही आने वाली पीढ़ियों को विनाशलीला के रूप में हम ही को चुकानी होगी। क्या यह किसी कुबैर के खजाने से निरंतर बहता हुआ काला धन है जिसने जनता को बर्बादी के मंजर की पीछे चुनावी खुशनुमा मंजर दिखाने की जिद ठान ली है। ऐसा लग रहा है मानों किसी पंछी और नदिया की किसी सखी के मृत्युभोज में 36 पकवान बना झूठी सामाजिक प्रतिष्ठा हासिल करने की कोई नाकाम कोशिश चल रही हो। प्रकृति के बनाए नियमों और संकेतों को झुठलाने का महा अनुष्ठान चल रहा हो। जो भी हो, मानसून के वापस लौटने की खबर आते ही आयड़ के सितमगरों की बल्ले-बल्ले हो गई है। उनकी बांछें खिल गईं। अपनी करतूतों पर झूठ की कालीन बिछाने के लिए काम युद्ध स्तर पर शुरू हो गया। दो-चार दिन पहले तक नदी जब अपने जीवंत रूप में कलकल बहने का अहसास करवा रही थी तब लोक लाज से विनाश की निशानियों को धीरे-धीरे मिटाने का प्रयास हो रहा था। आज नदी के नासूर वाले घाव भरने के लिए सरेआम बेशर्मी की जेसीबी चलती दिखाई दी। विनाशलीला के निशान मिटाने की जो आतुरता दिख रही है वो बता रही है कि रस्सी जलने पर भी बल अब तक नहीं गए हैं। जिनको अब तक तो शर्म से डूब मरना था वे फिर से सिर उठा कर बेशर्मी के नए कीर्तिमान रचने को आतुर हुए जा रहे हैं। सबसे बड़ा सवाल ये है कि 75 करोड़ के काम क्या इस शर्त पर करवाए गए हैं कि जब-जब पानी में सब कुछ बह जाएगा तो काम करने वाली एजेंसी बार बार सब कुछ तुरंत फिर से ठीक कर दिया करेगी। जनता पूछ रही है कि ये पैसा, ये मशीनी लवाजमा और मजदूरों की फौज का खर्चा आखिर कौन दे रहा है। क्या ऐसा कोई करार हुआ है कि झट से नदी सब कुछ बहा ले जाएगी और पट से मजदूर व मशीन लगा कर सब कुछ पहले जैसा कर दिया जाएगा। कहीं 75 करोड़ में से ही डकार लिया गया कुछ काला-सफेद धन फिर से री-साइकिल तो नहीं हो रहा है। या फिर जनता का पैसा किसी और मद में दिखा कर नए सिरे से खर्च किया जा रहा है। नदी में पगफेरे कर वाहवाही बंटोरने वाले नेताओं व अधिकारियों को तत्काल इसका जवाब जनता को देना ही होगा। आयड़ के कर्णधार जवाब दें कि ये काम किस मद में हो रहे हैं, खर्चा कौन दे रहा है और उसका हिसाब क्या है। कहीं ये कोई बड़ा घोटाला तो नहीं है। आखिर कितनी बार आयड़ के गड्ढे भरने ओर पत्थर लगाने का ठेका दे दिया है। एक बार, दो बार, दस बार या फिर हमेशा के लिए। कहीं ऐसा तो नहीं कि निकाय चुनावों तक के लिए ऐसा हो रहा है। इधर चुनाव निपटे नहीं कि उधर नदी के काम गए भाड़ में। चुनावों वाला तर्क सही लग रहा है क्योंकि नदी के अल्हड़ स्वरूप से नफरत करने वालों ने सोशल मीडिया और पेड मीडिया पर बर्बादे मंजर को हसीन मंजर के रूप में दिखाने का खेल और आलाप शुरू कर दिया है। अब जनता को तय करना होगा कि वो नदी के लुटेरों के पक्ष में खड़ी होती है या चुप रह कर लुटेरों का साथ देने वालों के पक्ष में खड़ी नजर आती है।

घोटिया आंबा धाम पर कार्यक्रम को लेकर आदिवासियों में दो-फाड़:लोग बोले- खुद को हिंदू नहीं मानते तो यहां प्रोग्राम करने का हक नहीं



24 न्यूज अपडेट

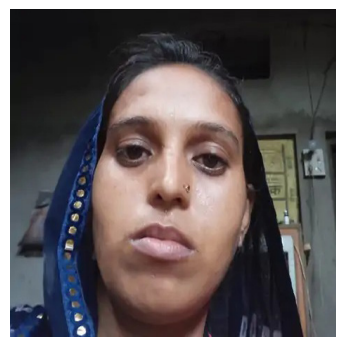
बांसवाड़ा. बांसवाड़ा में आदिवासियों के प्रसिद्ध तीर्थ घोटिया आंबा धाम 800 मीटर दूर सांसद राजकुमार रोत आदिवासी अधिकार दिवस कार्यक्रम का आयोजन कर रहे हैं। कार्यक्रम दोपहर 2 बजे शुरू हुआ। दोपहर 2.30 बजे सांसद राजकुमार रोत कार्यक्रम में पहुंचे। इस कार्यक्रम के आयोजन को लेकर आदिवासी समाज में दो-फाड़ नजर आई। कार्यक्रम का आदिवासी संगठन- आदिवासी सनातन हिंदू धर्म जनजागरण समिति ने विरोध किया है। इसे लेकर सोमवार को चेतावनी दी थी कि अगर रोत ने यहां कार्यक्रम किया तो माहौल बिगड़ सकता है। इसके लिए कल बड़ी संख्या में आदिवासी लोग रैली निकालते हुए जिला कलेक्टर कार्यालय पहुंचे और ज्ञापन देकर कार्यक्रम रोकने की मांग रखी थी। हालांकि कलेक्टर डॉ इंद्रजीत यादव ने कहा कि हमने कल भी और आज भी समिति के सदस्यों को समझाया था। कार्यक्रम घोटिया धाम से दूर है। फिलहाल कार्यक्रम में कोई विरोध नहीं है, शांति है। आदिवासी सनातन हिंदू धर्म जनजागरण समिति इसलिए कर रही विरोध बता दें कि दो महीने 18 जुलाई को मानगढ़ धाम (बांसवाड़ा) में 4 राज्यों के 49 जिले मिलाकर भील प्रदेश बनाने की मांग की गई थी। भारत आदिवासी पार्टी के सांसद राजकुमार रोत की मौजूदगी में इस कार्यक्रम में आदिवासी परिवार संस्था की संस्थापक सदस्य मेनका डामोर ने मंच से कहा था कि आदिवासी हिंदू नहीं है। आदिवासी महिलाएं चूड़ी, बिंदी, सिंदूर लगाना, मंदिर जाना छोड़ें। आदिवासी सनातन हिंदू धर्म जनजागरण समिति का कहना है कि आदिवासी हिंदू हैं। कुछ देश विरोध ताकतें आदिवासियों को भड़का कर माहौल खराब कर रही हैं। अगर वे (राजकुमार रोत) खुद को हिंदू नहीं मानते तो हिंदू आस्था का केंद्र घोटिया धाम पर उन्हें कार्यक्रम करने का हक नहीं है। आदिवासी आरक्षण मंच ने भी किया विरोध आदिवासी आरक्षण मंच के कमलकांत कटारा ने कहा कि रोत को अपने बयानों पर माफी मांगनी चाहिए। कटारा ने सोशल मीडिया पर लिखा- घोटिया आंबा में प्राचीन काल से पांडवों की मूर्तियां स्थापित हैं और शिव मंदिर भी है। पवित्र कुण्ड है, जहां हिंदू परंपरा से अस्थि विसर्जन होता है।

पेड़ से लटका मिला फैक्ट्री मजदूर का शव

24 न्यूज अपडेट

भीलवाड़ा. भीलवाड़ा के गुलाबपुरा इलाके में खेत के रास्ते में पेड़ से युवक का शव लटका मिला। इसके बाद मौके पर भीड़ जुट गई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को फंदे से उतरवा कर हॉस्पिटल की मॉर्च्युरी में रखवाया। गुलाबपुरा थाने के हेड कॉन्स्टेबल अनिल कुमार ने बताया- मृतक की पहचान मध्य प्रदेश के शहडोल जिले के निवासी प्रदीप सिंह (29) पुत्र बेहसाहन सिंह के रूप में हुई। प्रदीप नेशनल हाईवे 48 पर स्थित सुदीवा फैक्ट्री में मजदूर था। उसका शव गुलाबपुरा इलाके में संगम चौराहे के पास शराब के ठेके के पीछे खेतों की ओर जाने वाले रास्ते पर मिला। परिजनों के आने के बाद पोस्टमॉर्टम किया जाएगा।

खेत में कृषि कार्य के दौरान महिला को लगा करंट:बेहोश हालत में परिजन हॉस्पिटल लाए, डॉक्टर ने मृत घोषित किया



24 न्यूज अपडेट

भीलवाड़ा. खेत में कृषि कार्य के दौरान एक महिला किसान करंट की चपेट में आ गई। झटका लगने से वह बेहोश हो गई। महिला को चीख सुनकर पास में ही काम कर रहा उसका पति उसके पास आया और उसे दूसरे किसानों की मदद से हॉस्पिटल पहुंचा। मामला भीलवाड़ा जिले के सदर थाना क्षेत्र के पुरावतो का अकोला गांव का है । यहां एक खेत में कृषि कार्य करते समय महिला किसान को करंट लग गया। महिला की चीख सुनकर उसका पति और अन्य किसान मोके पर पहुंचे। घटना के बाद खेत में मौजूद परिजन महिला को लेकर भीलवाड़ा के महात्मा गांधी चिकित्सालय पहुंचे, जहां ड्यूटी डॉक्टर ने जांच के बाद महिला को मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने के बाद सदर थाना पुलिस जिला हॉस्पिटल की मॉर्च्युरी पहुंची और महिला के शव का पोस्टमॉर्टम करवा कर शव परिजनों को सौंप दिया।

लेकसिटी के डॉ. चित्रसेन ने अंतरराष्ट्रीय कला कार्यशाला में लिया भाग



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 24 सितंबर। उत्तरप्रदेश के गोरखपुर में विश्व शांति दिवस के मौके पर आयोजित चार दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कला कार्यशाला और संगोष्ठी में लेकसिटी के ख्यातनाम चित्रकार डॉ. चित्रसेन ने हिस्सा लिया और मेवाड़ शैली में अपनी कलाकृति के माध्यम से मेवाड़ का गौरव बढ़ाया। ललित कला, लोक कला, मंचिय कला को समर्पित ललिता न्यास द्वारा आयोजित इस कला कार्यशाला और संगोष्ठी में कई देशों के कलाकारों के बीच रहकर डॉ. चित्रसेन ने मेवाड़ के भित्तिचित्रों में उकेरी जाने वाली यक्षिका की छवि को समसामयिक रूप में चित्रित कर अतिथियों और कलाप्रेमियों को आकर्षित किया। डॉ. चित्रसेन ने इस कलाकृति को एक्रेलिक रंगों से तैयार किया और इसमें अपने कलाकृकौशल व तकनीक के माध्यम से एक गोल्डन बार बनाते हुए दृष्टिभ्रम को पैदा किया। इस कलाकृति में नीचे मेवाड़ शैली में हाथी को भी चित्रित किया गया जो इसके सौंदर्य को और भी अधिक निखार रहा था।

लेकसिटी में लघु उद्योग भारती का प्रदेश उद्यमी सम्मेलन 27 से



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 23 सितंबर। लेकसिटी में लघु उद्योग भारती के तत्वावधान में 27 से 29 सितंबर तक आयोजित होने वाले स्वयंसिद्धा मेले के पोस्टर का विमोचन मंगलवार को किया गया। आज अपराह्न पोस्टर का विमोचन लघु उद्योग भारती की अध्यक्ष सीमा पारीक, सचिव रेखा जैन और सोशल मीडिया एंन्फ्लूएंजर संदीप राठौड़ ने किया। इस दौरान अध्यक्ष पारीक ने बताया कि प्रतिवर्ष लघु उद्योग भारती महिला इकाई द्वारा स्वयंसिद्धा मेला आयोजित किया जाता है इस मेले का प्रयोजन महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना तथा उनमे आत्मविश्वास को बढ़ाना है।

यह रहेगा कार्यक्रम : सचिव रेखा जैन ने बताया कि स्वयंसिद्धा मेला शहर के न्यू भूपालपुरा स्थित ओरबिट रिसोर्ट में आयोजित किया जाएगा। इसमें जयपुर, कोटा, ब्यावर, किशनगढ़,भीलवाड़ा प्रतापगढ़ (थेवा) आदि से संबंधित विविध वस्तुएं प्रदर्शित की जाएंगी। मेले में ख़रीदारी के साथ खाने पीने का आनंद भी लिया जा सकता है। मेले में 27 सितंबर को महिलाओं का उद्यम रजिस्ट्रेशन, 28 को महिला समूहों का सम्मान व लाइव म्यूजिक, 29 सितंबर को बच्चों की चित्रकला प्रतियोगिता एवं महिलाओं की हाउजी प्रतियोगिता आदि कार्यक्रम रखे गए हैं।

जिला फुटबाल संघ चित्तौड़गढ़ को हाई कोर्ट से मिली बड़ी राहत

24 न्यूज अपडेट

निम्बाहेडा। जिला फुटबाल संघ चित्तौड़गढ़ को जोधपुर हाई कोर्ट से बड़ी राहत प्राप्त हुई है। जिला फुटबाल संघ चित्तौड़गढ़ के वर्ष 2020 में संपन्न हुए चुनाव को लेकर उप रजिस्ट्रार कार्यालय द्वारा चल रही जांच पर हाई कोर्ट ने स्टे लगा दिया है।

पूर्व भाजपा विधायक एवं पूर्व जिला फुटबॉल संघ अध्यक्ष अशोक नवलखा द्वारा वर्ष 2020 के चुनाव के सम्बन्ध में की गई शिकायत पर उप रजिस्ट्रार कार्यालय द्वारा जिला फुटबॉल संघ की नवीन कार्यकारिणी के चुनाव की घोषणा 3 सितम्बर 2024 को होने के तुरंत बाद 5 सितम्बर 2024 को जिला फुटबॉल संघ के वर्ष 2020 के चुनाव के सम्बन्ध में जांच प्रारंभ कर दी गई थी। इस जांच के विरूद्ध जिला फुटबॉल संघ चित्तौड़गढ़ के सचिव फैसल खान ने 11 सितम्बर 2024 को हाई कोर्ट में तथ्य प्रस्तुत करते हुए याचिका दायर की थी। इस सम्बंध में उप रजिस्ट्रार कार्यालय द्वारा भी हाई कोर्ट में केविएट लगा दी गई थी। इस मामले की सुनवाई 23 सितम्बर 2024 सोमवार को हाई कोर्ट के माननीय न्यायाधीश दिनेश जी मेहता ने की। दोनों पक्षों को सुनने के पश्चात माननीय न्यायाधीश दिनेश जी मेहता ने जिला फुटबाल संघ चित्तौड़गढ़ को बड़ी राहत प्रदान करते हुए उप रजिस्ट्रार कार्यालय द्वारा की जा रही जांच एवं जांच रिपोर्ट पर रोक लगा दी है और साथ ही जिला फुटबाल संघ कार्यकारिणी के चुनाव 3 सितम्बर 2024 को घोषित चुनाव कार्यक्रमानुसार करवाए जाने के निर्देश दिए हैं। जिला फुटबाल संघ चित्तौड़गढ़ की और से पैरवी अधिवक्ता राजेश चौधरी ने की। जिला फुटबॉल संघ की नवीन कार्यकारिणी के चुनाव 25 सितम्बर 2024 को निंबाहेड़ा में संपन्न होंगे।

जयपुर हेरिटेज निगम की कार्यवाहक मेयर बनीं कुसुम यादव:60 दिन का होगा कार्यकाल; टिकट नहीं मिलने पर भाजपा से बागी होकर चुनाव लड़ा था



24 न्यूज अपडेट

जयपुर. जयपुर नगर निगम हेरिटेज में निर्दलीय पार्षद कुसुम यादव कार्यवाहक मेयर बन गई हैं। कुसुम यादव का कार्यकाल 2 महीने (60 दिन) का रहेगा। पार्षद चुनाव के वक्त भाजपा ने कुसुम यादव को टिकट नहीं दिया था। इसके बाद कुसुम बागी होकर निर्दलीय चुनाव लड़कर पार्षद का बनी थीं। हालांकि चुनाव जीतने के बाद यादव ने भाजपा को समर्थन दिया था। तब बीजेपी ने उन्हें मेयर पद का उम्मीदवार भी बनाया था। कुसुम यादव भाजपा के कार्यकर्ता अजय यादव की पत्नी हैं। वहीं कुसुम खुद भी दूसरी बार नगर निगम में पार्षद बनी हैं। इससे पहले वह सांस्कृतिक समिति की अध्यक्ष भी रह चुकी हैं। इससे पहले नगर निगम हेरिटेज में कांग्रेस पार्टी के 8 पार्षद बिना शर्त भाजपा में शामिल हो गए थे। निलंबित मेयर मुनेश गुर्जर की कार्यशैली से परेशान होकर कांग्रेस पार्टी के 12 से ज्यादा पार्षद पिछले 3 महीने से भाजपा के नेताओं के संपर्क में थे। इनमें सिविल लाइंस, आदर्श नगर और किशनपोल विधानसभा के पार्षद थे। ये लोग मुनेश गुर्जर से प्रताड़ित होकर उन्हें पद से बर्खास्त करने की मांग कर रहे थे। 21 सितंबर को बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ से इन पार्षदों की अनौपचारिक मुलाकात हुई थी। इसमें से 8 पार्षदों ने उसी वक्त बीजेपी में आने का फैसला किया। बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ और यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा को बिना शर्त बीजेपी जॉइन करने का हस्ताक्षर युक्त समर्थन पत्र दिया। इन पार्षदों ने भाजपा का दामन थामा मनोज मुद्गल वार्ड 35, उत्तम शर्मा वार्ड 49, ज्योति चौहान वार्ड 46, सुशीला देवी वार्ड 63, अरविंद मेठी वार्ड 71, मोहम्मद जकरिया वार्ड 65, पारस जैन वार्ड 80, संतोष कंवर वार्ड 78 ने भारतीय जनता पार्टी जॉइन कर बिना शर्त समर्थन पत्र बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष को सौंप दिया है। एक दर्जन से ज्यादा कांग्रेसी पार्षद भाजपा के शीर्ष नेतृत्व से संपर्क में हैं। जो जल्द ही भाजपा को अपना समर्थन दे सकते हैं।

'मुनेश गुर्जर के खिलाफ बिना किसी शर्त भारतीय जनता पार्टी को समर्थन'

नगर निगम हेरिटेज पार्षद उत्तम शर्मा ने कहा- भाजपा विकास की राह पर राजस्थान को आगे बढ़ाने में अपना अहम योगदान निभा रही है। इसीलिए हमने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ के नेतृत्व में बिना शर्त बीजेपी में आने का फैसला किया है। फिलहाल हम आठ पार्षद हैं। एक दर्जन से ज्यादा पार्षद ऐसे हैं, जो बीजेपी में आना चाहते हैं। जल्द ही वह भी हमारे साथ भाजपा की सदस्यता ग्रहण करेंगे। कांग्रेसी पार्षद ज्योति चौहान ने कहा- राजस्थान की बीजेपी सरकार भ्रष्टाचार खत्म करने का वादा कर सत्ता में आई थी। इस वादे को पूरा कर प्रदेश सरकार ने प्रदेश की सबसे भ्रष्ट मेयर को बर्खास्त किया है। इसलिए हमने भाजपा में शामिल होकर बिना असर भाजपा को समर्थन देने का वादा किया है।

कांग्रेसी पार्षद अरविंद मेठी ने कहा- मुनेश गुर्जर के भ्रष्टाचार और तानाशाही से सभी पार्षद परेशान हो चुके थे। हमने हमारी पार्टी में भी इस बात को ऊपर तक पहुंचाने की कोशिश की। लेकिन वहां कोई सुनवाई नहीं हुई। इसके बाद जब बीजेपी की सरकार ने जीरो टॉलरेंस की नीति पर मुनेश के खिलाफ कार्रवाई करने का फैसला किया। हम सब ने भाजपा के साथ मिल शहर के विकास को आगे बढ़ने का वादा किया है।

पार्षद बोले- मुनेश गुर्जर ने नगर निगम को भ्रष्टाचार का अड्डा बना दिया

पार्षद मनोज मुद्गल ने कहा- मुनेश गुर्जर ने नगर निगम को भ्रष्टाचार का अड्डा बना दिया था। जयपुर की जनता को अपने मूलभूत काम के लिए भी रिश्वत देनी पड़ रही थी। जनता द्वारा चुने गए पार्षदों तक की सुनवाई नहीं हो रही थी। ऐसे में हमने मुनेश गुर्जर के खिलाफ बिना किसी शर्त भाजपा को समर्थन देने का फैसला किया है। हम चाहते हैं कि राजस्थान सरकार जीरो टॉलरेंस की नीति पर प्रदेश का चौमुखी विकास करें। यही कारण है कि हम सब अब बीजेपी के साथ मिलकर अपने राजनीतिक जीवन को आगे बढ़ाएंगे।

रिपोर्ट: टॉपर्स ने आईआईटी की सीट छोड़ी:IIT मद्रास ने आंकड़े जारी किए, आईआईएसी को प्राथमिकता दे रहे



24 न्यूज अपडेट

कोटा. हाल ही में आईआईटी मद्रास ने जेईई परीक्षा और आईआईटी में प्रवेश को लेकर डेटा जारी किया है। इस डेटा में यह जानकारी भी सामने आई है कि कई ऐसे स्टूडेंट्स हैं जो टॉप हजार में तो आए लेकिन एडमिशन किसी भी आईआईटी में नहीं लिया। एक तरफ तो स्टूडेंट्स आईआईटी में जाने के लिए कड़ी मेहनत करते हैं। दूसरी तरफ टॉपर्स आईआईटी छोड़ रहे हैं। आईआईटी मद्रास के जारी आंकड़ों में सामने आया कि जेईई-एडवांस में टॉप रैंक लाने के बावजूद कई स्टूडेंट्स एडमिशन नहीं लेते।

टॉप 29 स्टूडेंट्स ने एडमिशन नहीं लिया

रिपोर्ट के अनुसार, टॉप-50 ऑल इंडिया रैंक में 1, टॉप-100 में 3, टॉप-200 में 4, टॉप-500 में 13 एवं टॉप 1000 में 29 विद्यार्थी ऐसे हैं, जिन्होंने किसी आईआईटी में प्रवेश नहीं लिया है। जबकि इन्हें शीर्ष आईआईटी में कंप्यूटर साइंस, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा साइंस जैसी टॉप ब्रांचेज आसानी से मिल रही थी। एजुकेशन एक्सपर्ट अमित आहूजा के अनुसार टॉप रैंक के बाद आईआईटी में प्रवेश नहीं लेने का बड़ा कारण उनके पास उनकी रूचि के अनुरूप रिसर्च के सर्वोत्तम संस्थान एवं विश्व की टॉप यूनिवर्सिटीज में एमएस का विकल्प उपलब्ध होना माना जा सकता है। देश का सर्वश्रेष्ठ संस्थान आईआईएससी, जिनमें जेईई एडवांस्ड के माध्यम से प्रवेश मिलता है। कई टॉपर्स स्टूडेंट्स अपनी रूचि के अनुरूप इस संस्थान में फिजिक्स, कैमिस्ट्री, मैथ्स में रिसर्च एवं नई शुरू हुई मैथेमेटिक्स एण्ड कम्प्यूटिंग ब्रांच में प्रवेश लेते हैं। गत कई वर्षों में भी शुरुआती टॉप-500 रैंक के कई स्टूडेंट्स इस संस्थान में प्रवेश ले चुके हैं। स्टूडेंट्स रिसर्च में जाना चाहते हैं इस वजह से आईआईटी के बजाया आईआईएसी को प्राथमिकता देने लगे हैं।

जयपुर में अर्धनग्न कर युवक को पीटा

24 न्यूज अपडेट

जयपुर में मोबाइल चोरी करने के संदेह पर एक युवक को अर्धनग्न कर पीटा गया। तीन-चार युवक डंडे और बेल्ट से पीड़ित को पीटते रहे। पीड़ित रोते हुए छोड़ने की गुहार लगाता रहा। पीड़ित को पीटना का वीडियो भी बनाया गया। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस पीड़ित को पीटने वाले युवकों की तलाश में जुटी है।

पुलिस ने बताया- डंडे-बेल्ट से एक युवक को अर्धनग्न कर पीटने का एक वीडियो मिला है। वीडियो में तीन-चार लड़के एक मकान के हॉल में बारी-बारी से पीड़ित को अर्धनग्न कर पीट रहे हैं। साथ ही वीडियो भी बना रहे हैं। बताया जा रहा है कि पीड़ित पर मोबाइल चोरी करने का शक था।

पिटाई के बाद कुछ नहीं मिलने पर पीड़ित को छोड़ दिया

मारपीट करने के बाद उसके पास कुछ नहीं मिलने पर युवक को छोड़ दिया। अर्धनग्न कर डंडे-बेल्ट से मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर डाल दिया। मंगलवार सुबह वीडियो सामने आने पर विश्वकर्मा थाना पुलिस ने एक्शन लिया। पुलिस का कहना है- प्रथमदृष्टया जांच में वीडियो बढारना सब्जी मंडी के पास एक मकान का लग रहा है। वीडियो में मारपीट के साथ ही पीटने वाले युवक के पीठ पर चोट के निशान भी दिखाई दे रहे है।

SHO (विश्वकर्मा) राजेन्द्र प्रसाद शर्मा का कहना है- युवक से मारपीट करने का एक वीडियो सामने आया है। विश्वकर्मा इलाके का होने का पता चलते ही पुलिस टीमें बना गई। जांच में सामने आया है कि युवक को पीटने का वीडियो रविवार का है। पुलिस टीमों को मारपीट करने वाले लड़कों की तलाश में भेजा गया है।

SMS हॉस्पिटल ओपीडी के बाहर पड़ी मिली लाश

24 न्यूज अपडेट

जयपुर के सवाई मानसिंह हॉस्पिटल में आज एक लावारिस लाश पड़ी मिली। बताया जा रहा है कि ये व्यक्ति तीन-चार दिन से हॉस्पिटल के आसपास ही था। शरीर पर घाव थे। धनवंतरी ओपीडी बिल्डिंग के बाहर डीडीसी काउंटर नंबर 10-11 के पास गुजर रहे आमजन और कर्मचारियों को बदबू आने के बाद वहां मौजूद सुरक्षा गार्डों और प्रशासन को इसकी शिकायत भी की। लेकिन किसी ने ध्यान नहीं दिया।

आज जब गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढम अपने किसी परिचित से मिलने एसएमएस हॉस्पिटल पहुंचे। मीडिया का ध्यान जब इस पर गया तो प्रशासन हरकत में आया। इसके बाद एसएमएस थाना पुलिस को सूचना देकर लावारिस शव को एसएमएस की मोर्चरी में रखवाया।

तीन-चार दिन से ओपीडी के बाहर लेटा था

हॉस्पिटल के ही स्टाफ के कुछ लोगों ने बताया- ये व्यक्ति पिछले तीन-चार दिन से धनवंतरी ओपीडी के बाहर ही लेटा था। इसके शरीर (हाथ-पांव) जगह-जगह घाव थे। इसके इलाज के लिए यहां किसी ने ध्यान नहीं दिया।

'पत्नी का एक्स्ट्रा-मैरिटल अफेयर तो गुजारा भत्ते की हकदार नहीं' :तलाक के एक केस में कोर्ट का फैसला, सरकारी कर्मचारी पति से मांगे थे 40 लाख

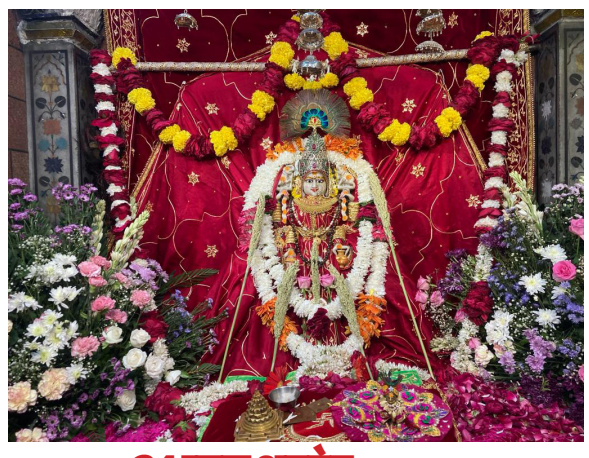


24 न्यूज अपडेट

जयपुर. महिला का एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर (शादी के बाद गैर पुरुष से संबंध) है तो वह गुजारा भत्ता पाने की हकदार नहीं है। एक केस में जयपुर की फैमिली कोर्ट-1 ने यह फैसला सुनाया। तलाक से जुड़े मामले में कोर्ट ने पत्नी के स्थायी गुजारा भत्ता की याचिका इस आधार पर खारिज कर दी कि महिला का एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर था। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा- पत्नी शादी के बाद भी एडल्ट्री (गैर पुरुष से अवैध संबंध) में रही। ऐसे में कानून के तहत वह स्थायी भरण पोषण का हक नहीं रखती है। दरअसल, पत्नी ने पति से स्थायी भरण पोषण के तहत 40 लाख रुपए की मांग की थी। पत्नी का कहना था कि पति की सरकारी नौकरी है। उसके पास पर्याप्त संपत्ति है। ऐसे में उसे स्थायी भरण पोषण दिलाया जाए। वहीं, पति ने पत्नी के प्रार्थना पत्र का विरोध करते हुए कहा था कि वह केवल एक क्लर्क है। उस पर पूर्व दिवंगत पत्नी से पैदा हुए बेटे और बीमार मां की जिम्मेदारी है। स्वयं भी बीमार रहता है। यह राशि देने में वह सक्षम नहीं है।

पति ने कहा- पत्नी शादी से पहले से ही पड़ोस में रहने वाले युवक से प्रेम करती थी। शादी के बाद भी उसने संबंध जारी रखे। दोनों का कोर्ट में क्रूरता और एडल्ट्री के आधार पर ही 2019 में तलाक हो चुका है। इस पर अदालत ने पत्नी के प्रार्थना पत्र को खारिज कर दिया। पत्नी के प्रेमी ने चाकू से किया था हमला मामले से जुड़े वकील डीएस शेखावत और रजनी अग्रवाल ने बताया- जयपुर के रहने वाले युवक-युवती की शादी 18 नवंबर 1991 को हुई थी। शादी के बाद दोनों के एक बेटी हुई। पत्नी के एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर के चलते शादी के बाद से ही दोनों के बीच झगड़े होने लगे। पत्नी के प्रार्थना पत्र का विरोध करते हुए पति ने कहा- मेरी पत्नी के शादी से पूर्व ही उसके पड़ोस में रहने वाले युवक से प्रेम संबंध थे। लेकिन, परिजनों ने उसकी जबरन मुझसे शादी कर दी। शादी के बाद भी पत्नी ने अपने प्रेमी से बात करना नहीं छोड़ा। मैंने पत्नी को कई बार समझाया, लेकिन वह नहीं मानी। 19 दिसंबर 1993 को उसने प्रेमी के साथ मिलकर मुझ पर चाकू से हमला करवा दिया। इसकी एफआईआर भी वैशाली नगर थाने में दर्ज करवाई गई थी। पुलिस ने आरोपी युवक को हथियार के साथ गिरफ्तार करके उसके खिलाफ चालान भी पेश किया था। पत्नी के प्रेमी ने संबंधों को कबूला पति ने कहा- इस घटना के बाद पत्नी मायके चली गई। वहां उसने मुझे फंसाने के लिए 15 जून 1996 को अपने प्रेमी और भाइयों के साथ मिलकर बॉयफ्रेंड के ऊपर तेजाब डालने की साजिश रची। इसके बाद सवाई मानसिंह अस्पताल में भर्ती प्रेमी ने इस बात को स्वीकार किया कि वह पिछले पांच साल से पड़ोस में रहने वाली युवती से प्रेम करता है। लड़की भी उसे चाहती थी। इसकी भनक युवती के भाइयों को लग गई थी। उन्होंने युवती की शादी वैशाली नगर में रहने वाले युवक से कर दी। लेकिन, शादी के बाद भी हम मिलते रहे। इसलिए युवती के पति और भाइयों ने मुझ पर तेजाब डालकर जलाने की कोशिश की है। कोर्ट ने माना पत्नी ने पति के साथ शारीरिक और मानसिक क्रूरता की अदालत ने अपने आदेश में कहा- पत्नी केवल पति की आमदनी के संबंध में दस्तावेज पेश कर सकी। पति की संपत्ति का कोई ब्योरा पत्नी नहीं दे पाई। पत्नी ने पति के खिलाफ दहेज हत्या और घरेलू हिंसा का मुकदमा दर्ज कराया था। जिस पर अदालत पहले ही पति को दोष मुक्त कर चुकी है। इससे यह साबित होता है कि पत्नी ने पति को झूठे केस में फंसाकर क्रूरता की है। पत्नी 20 साल से पति से अलग रह रही है। क्रूरता और एडल्ट्री के आधार पर ही अदालत ने 16 अगस्त 2019 को तलाक की डिक्री पारित की। ऐसे में यह साबित होता है कि इस शादी में पति के साथ पत्नी ने शारीरिक और मानसिक क्रूरता की है। वहीं वह शादी के दौरान भी एडल्ट्री में रही है।

माता महालक्ष्मी का प्राकट्योत्सव धूमधाम से मनाया



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। उदयपुर के प्रसिद्ध माता महालक्ष्मी मंदिर का प्राकट्योत्सव मंगलवार को धूमधाम से मनाया जा रहा हैं भट्टियानी चौहट्टा स्थित माता महालक्ष्मी के मंदिर पर आकर्षक साज सज्जा की गई हैं तो वहीं प्राकट्योत्सव के मौके पर मन मोहक श्रृंगार भी किया गया है अल सुबह से भक्तों की भीड माता महालक्ष्मी के मंदिर दर्शन के लिये पहुंचे, और यह सिलसिला रात्रि 12 बजे होने वाली महाआरती तक चलेगा।

श्रीमाली जाति सम्पति व्यवस्था ट्रस्ट के सचिव मधुसूदन बोहरा ने बताया कि प्रातः 5.00 बजे पंचामृत अभिषेक एवं षोडषोपचार विधि से पूजन किया, तत्पश्चात् श्री सुक्त के पाठ होगे । प्रातः 10.00 बजे से यज्ञ हवन प्रारम्भ हुआ जिसमें समाज के पांच जोड़े आचार्य मनीष श्रीमाली के सानिध्य में हवन करेंगे तत्पष्चात पूर्णाहूति, सायं 5.15 बजे से सुन्दरकाण्ड का पाठ प्रारम्भ होगा। रात्रि 12.00 बजे महाआरती होगी जिसमें लक्ष्मी माता को खीर, पंजरी, फल आदि का भोग लगाया जायेगा और भक्तों को प्रसाद वितरित कियाजायेगा । इस अवसर पर महालक्ष्मी को स्वर्ण चांदी का वेश धारण कर विशेष श्रृंगार करवाया गया

माता महालक्ष्मी का यह मंदिर करीब चार सौं साल पुराना हैं। कहा जाता हैं कि इस मंदिर का निर्माण जगदीश मंदिर के समय हुआ था। महाराणा जगत सिंह द्वारा जगदीश मंदिर के साथ बनाया था। कहा जाता हैं कि रानी ने राजा से कहा कि जब भगवान जगदीश विराजित हो रहे थे तब महालक्ष्मी की भी स्थापना होनी चाहिये। रानी के कहने पर राजा ने जगदीश मंदिर से कुछ ही दुरी पर 4200 स्क्वायर फिट में मंदिर बनाया गया। इस मंदिर में माता महालक्ष्मी हाथी पर बैठी हुई हैं, यह प्रतिमा पुरे देश में इस मंदिर को अनुठा बनाती हैं। मंदिर में विराजित प्रतिमा 31 इंच की हैं। माता महालक्ष्मी के प्रति समुचे उदयपुर संभाग के लोगों में खासी आस्था हैं और हर वर्ष प्राकट्योत्सव के मौके दिन भर में हजारों लोग कतावद्ध होकर दर्शन के लिये पहुंचते है।

उदयपुर सिटी-श्रीमातावैष्णोदेवी कटरा-उदयपुर सिटी स्पेशल ट्रेन का संचालनःअक्टूबर से नवंबर तक होगी 7 ट्रिप, चंदेरिया होकर जाएगी ट्रेन



24 न्यूज अपडेट

चित्तौड़गढ़. उदयपुर सिटी- श्रीमातावैष्णादेवी कटरा-उदयपुर सिटी स्पेशल ट्रेन का संचालन होगा। आगामी त्योहारों को देखते हुए भारतीय रेलवे ने यह फैसला किया है। इस सीजन में इस ट्रेन का 7 ट्रिप करवाया जाएगा। यह ट्रेन चित्तौड़गढ़ के चंदेरिया स्टेशन से होकर गुजरेगी।

2 अक्टूबर से चलेगी ट्रेन

उत्तर-पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी कैप्टन शशि किरण ने बताया कि गाडी संख्या 09603, उदयपुर सिटी-श्रीमातावैष्णोदेवी कटरा स्पेशल रेलसेवा 2 अक्टूबर से 13 नवंबर तक चलेगी। इस दौरान 7 ट्रिप करवाया जाएगा। यह ट्रेन उदयपुर सिटी से बुधवार को रात 1:50 मिनट पर रवाना होगी। जो चंदेरिया सुबह 4:50 पर पहुंचेगी। यहां 5 मिनट के ठहराव के बाद ट्रेन 4:55 पर रवाना होगी और गुरुवार सुबह 6:35 बजे श्रीमातावैष्णोदेवी कटरा पहुंचेगी।

सुबह 11:30 बजे पहुंचेगी ट्रेन इसी तरह, गाडी संख्या 09604, श्रीमातावैष्णोदेवी कटरा-उदयपुर सिटी स्पेशल रेलसेवा 3 अक्टूबर से 14 नवंबर तक चलेगी। इस ट्रेन का 7 ट्रिप होगा। यह ट्रेन श्रीमातावैष्णोदेवी कटरा से गुरूवार को सुबह 10.50 बजे रवाना होकर शुक्रवार सुबह 11:30 बजे चंदेरिया पहुंचेगी। यहां पांच मिनट के ठहराव के बाद 11:35 पर रवाना होगी जो दोपहर 13.55 बजे उदयपुर सिटी पहुंचेगी। यह ट्रेन दोनों स्टेशनों के बीच राणाप्रतापनगर, मावली, चंदेरिया, भीलवाडा, मांडल, बिजयनगर, नसीराबाद, अजमेर, किशनगढ, फुलेरा, रींगस, सीकर, नवलगढ, झुंझुनू, चिडावा, सुरजगढ, लोहारू, सादुलपुर, सिवानी, हिसार, धुरी, लुधियाना, जालन्धर कैंट और जम्मूतवी ठहराव होगी। इस रेलसेवा में 02 सेकंड एसी, 06 थर्ड एसी, 02 थर्ड एसी इकोनोमी, 05 द्वितीय शयनयान, 04 साधारण श्रेणी, 01 पॉवरकार और 01 गार्ड डिब्बों सहित कुल 21 डिब्बे होंगे।

तीन लोगों को मारने वाले आदमखोर लेपर्ड को पकड़ा



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर से 45 किमी दूर गोगुंदा ग्राम पंचायत में 2 लेपर्ड को पकड़ लिया गया है। दरअसल, गोगुंदा की छाली ग्राम पंचायत के तीन गांवों में लेपर्ड ने 2 दिन में 5 किलोमीटर के दायरे में 3 लोगों को मार डाला था। इससे पूरे इलाके में दहशत थी। वन विभाग और आर्मी की टीम लेपर्ड की तलाश में जुटी थी। गोगुंदा एसडीएम नरेश सोनी ने बताया- पंचायत के उमरिया गांव में सोमवार देर रात वन विभाग के लगाए गए पिंजरे में 2 लेपर्ड कैद हो चुके हैं। पिंजरे में मांस और मछली की गंध वाला पानी रखा गया था। इसे खाने के लिए लेपर्ड पिंजरे में घुसे और कैद हो गए। सूचना मिलने के बाद ग्रामीणों ने राहत की सांस ली।

बुजुर्ग को लाठी से पीट-पीटकर किया घायल, इलाज के दौरान मौत



24 न्यूज अपडेट

डूंगरपुर. चितरी थाना क्षेत्र के बडगी गांव में जमीनी विवाद में दो पक्ष आपस में भीड़ गए। एक पक्ष के युवक ने दूसरे पक्ष के बुजुर्ग की लाठी से पीट-पीटकर घायल कर दिया। बाद में इलाज के दौरान बुजुर्ग की मौत हो गई। दोनों पक्षों के बीच हुए विवाद व घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें दोनों पक्षों के लोग एक दूसरे पर हमला करते नजर आ रहे हैं। चितरी थानाधिकारी परमेश्वर पाटीदार ने बताया कि बडगी निवासी संगीता पाटीदार ने मामला दर्ज कराया है। रिपोर्ट में बताया कि सोमवार को उनके पट्टेशुदा जमीन पर बडगी निवासी उनके पड़ोसी सिराग पाटीदार, वंशिका पाटीदार, गीता, प्रियंका और धापू पाटीदार निर्माण कार्य करवा रहे थे। जिस पर उसने और उसके ससुर मानजी पाटीदार (72) ने निर्माण कार्य करने के लिए मना किया और उन्हें रोकने की कोशिश की। जिस पर सिराग पाटीदार सहित अन्य लोगों ने उनके साथ मारपीट शुरू कर दी।

इस बीच संगीता के ससुर मानजी पाटीदार भी बीच बचाव के लिए आए। सिराग ने उन पर लाठी से हमला कर दिया। जिस पर उनके सिर व शरीर पर गहरी चोट लगी, जिससे वह गंभीर घायल हो गए। जिन्हें सागवाड़ा के एक प्राइवेट अस्पताल में भर्ती करवाया गया। इलाज के दौरान मंगलवार को मानजी की मौत हो गई। सूचना पर पुलिस अस्पताल पहुंची और शव को सागवाड़ा अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवाया। पूरी घटना का एक सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें दोनों पक्षों के भिड़ने व बुजुर्ग पर किए हमले के लाइव वीडियो दिख रहे है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

गलियाकोट क्षेत्र में 13 जगहों पर दबिश देकर पकड़े 23 अवैध सिलेंडर



24 न्यूज अपडेट

डूंगरपुर. रसद विभाग की टीम ने गलियाकोट क्षेत्र में अलग-अलग जगहों पर छापेमार कर 23 घरेलू रसोई गैस सिलेंडर बरामद किए हैं। पकड़े गए सिलेंडर को सागवाड़ा एजेंसी को सुपुर्द किए गए हैं।

जिला रसद अधिकारी विपिन जैन ने बताया कि प्रदेशभर में रसोई गैस के अवैध तरीके से कारोबार और कॉमर्शियल यूज के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। इसी के तहत मंगलवार को डीएसओ विपिन जैन, प्रवर्तन निरीक्षक लालशंकर, पुष्पेंद्र सिंह चौधरी, हर्षल और हिमांशु की टीम ने गलियाकोट क्षेत्र में छापेमारी की। बड़गी, चितरी में होटल, ढाबे, थड़ियों पर तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान उनमें अवैध घरेलू गैस सिलेंडर मिले हैं।

सिलेंडर का अवैध रूप से कॉमर्शियल यूज किया जा रहा था, जबकि उनके पास कनेक्शन के कोई कागजात भी नहीं मिले। रसद विभाग ने 13 अलग-अलग जगहों पर कार्रवाई करते हुए 23 सिलेंडर जब्त किए हैं। पकड़े गए सिलेंडर के सागवाड़ा गैस एजेंसी के मैनेजर परेश पंड्या को सुपुर्द कर दिया है। डीएसओ ने बताया कि घरेलू गैस के अवैध तरीके से कॉमर्शियल यूज के खिलाफ अभियान जारी रहेगा।

24 न्यूज़ अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा ।